

बर्दिया जिल्लामा प्रचलित नेपाली लोककथाहरूको अध्ययन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय नेपाली केन्द्रीय
विभाग अन्तर्गत स्नातकोत्तर तह द्वितीय वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि
प्रस्तुत शोधपत्र

शोधार्थी

सीता आचार्य (रेग्मी)

नेपाली केन्द्रीय विभाग

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

कीर्तिपुर

२०६८

त्रिभुवन विश्वविद्यालय
मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय
नेपाली केन्द्रीय विभाग कीर्तिपुर

स्वीकृति पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय अन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागका छात्रा सीता आचार्यले स्नातकोत्तर तह (एम.ए.) दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि गर्नुभएको बर्दिया जिल्लामा प्रचलित नेपाली लोक कथाहरुको सङ्कलन, वर्गीकरण र विश्लेषण नामक शोधपत्र स्वीकृत गरिएको छ ।

शोधपत्र मूल्याङ्कन समिति

१. विभागीय प्रमुख

डा.देवी गौतम

२. शोध निर्देशक

स.प्रा. डा. जीवेन्द्र देव गिरी

३. बाह्य-परीक्षक

मोहनराज शर्मा

मिति : २०६८-०९-०१

शोध निर्देशकको सिफारिस

बर्दिया जिल्लामा प्रचलित नेपाली लोक कथाहरूको सङ्कलन, वर्गीकरण र विश्लेषण शीर्षकको प्रस्तुत शोधपत्र सीता आचार्यले मेरा निर्देशनमा तयार पार्नु भएको हो । सम्बन्धित क्षेत्रमा गई स्थलगत अध्ययन गरी मिहिनेतपूर्वक तयार गरिएको प्रस्तुत शोधपत्रबाट म सन्तुष्ट छु र मूल्याङ्कनको प्रक्रिया अगाडि बढाउन सिफारिस गर्दछु ।

मिति : २०६८-८-२६

शोध निर्देशक

डा. जीवेन्द्र देव गिरी

सहप्राध्यापक

नेपाली केन्द्रीय विभाग

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

कीर्तिपुर

कृतज्ञताज्ञापन

‘बर्दिया जिल्लामा प्रचलित नेपाली लोककथाको सङ्कलन, वर्गीकरण र विश्लेषण’ शीर्षको प्रस्तुत शोधपत्र मैले आदरणीय गुरु जीवेन्द्र देव गिरीज्यूको कुशल निर्देशनमा तयार पारेकी छु । आफ्नो विविध कार्य व्यवस्तता हुदाँहुँदै पनि मलाई शोध कार्य गर्न अभिप्रेरित गर्नुका साथै सचेत गराएर समुचित मार्ग निर्देशन र सरसल्लाह प्रदान गर्नु हुने शोध निर्देशक श्रद्धेय गुरुज्यूप्रति म हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछु । यसरी मलाई शिक्षाको यो स्तरसम्म पुग्न बाटो लगाउनु हुने मेरा पूजनीय पिता रामप्रसाद आचार्य र माता कौशिला आचार्य, स्वर्गिय सासूससुरा पार्वती देवी रेग्मी, पदमराज रेग्मी र मलाई शोध लेखनको सुरुदेखि अन्त्य सम्म आवश्यक सल्लाह सुभाब र प्रेरणा र प्रोत्साहन गर्नु हुने पूज्य पति गणेश रेग्मीप्रति पनि हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछु ।

शोधपत्रको शीर्षक स्वीकृत गरी लेखनमा समेत आवश्यक सुभाब एवं हौसला प्रदान गर्नु हुने विभागीय प्रमुख प्रा.डा.देवी प्रसाद गौतमज्यूप्रति आभार व्यक्त गर्दछु । यसरी नै शोधकार्यमा मद्दत गर्नु हुने उपप्राध्यापक नारायण गड्तौला लगायतका गुरुहरुप्रति कृतज्ञता व्यक्त गर्दछु । प्रस्तुत शोधपत्रका लागि कथाहरू उपलब्ध गराउन सहयोग पुर्याउने बर्दिया निवासी कथावाचकहरू मिठ्ठु शर्मा, शुकदेव आचार्य, रमेश शर्मा, मुना अधिकारी, कौशिला उपाध्याय, भलक रावल, मञ्जु मगर, श्री हरि कँडेल, दीपिका आचार्य, जानकी थापा, चन्दा ढकाल, पविता भट्टराई, अनिल शर्मा, स्मृतिका आचार्य, कृष्णप्रसाद रेग्मी, गणेश रेग्मी, मञ्जु ढुङ्गाना, शिलु अधिकारी र चूडामणि शर्माप्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछु । अध्ययनकालदेखि हालसम्म नै सल्लाह सुभाब सहयोग र हौसला प्रदान गर्नु हुने दाजुभाउजूहरू शुकदेव आचार्य, रेशम आचार्य, लक्ष्मी आचार्य र गीता आचार्यप्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछु ।

त्यसैगरी मेरो प्रगति देख्न चाहने साथीहरु खेमु रेग्मी, कान्ति रेग्मी र गीता न्यौपाने बहिनी स्मृति, पविता, सविता, दीपिका, दिप्ती र हृदयिकालाई पनि धन्यवाद ज्ञापन गर्दछु ।

प्रस्तुत शोधपत्र तयार पार्ने क्रकमा आवश्यक पुस्तक र पत्रिका उपलब्ध गराइ त्रि.वि केन्द्रीय पुस्तकालयप्रति हार्दिक आभार प्रकट गर्न चाहन्छु । प्रस्तुत शोधपत्र शुद्धसँग टङ्कन गरि दिनु हुने हाम्रो कम्युनिकेसन एन्ड स्टेसनरी, भाजङ्गल, कीर्तिपुरप्रति धन्यवाद ज्ञापन गर्दछु । अन्त्यमा म यो शोधपत्रको आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि त्रिभुवन विश्वविद्यालय नेपाली केन्द्रीय विभाग, कीर्तिपुर समक्ष पेस गर्दछु ।

सीता आचार्य
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
कीर्तिपुर

विषय सूची

पहिलो परिच्छेद

शोध परिचय

| | पृष्ठ सङ्ख्या |
|-----------------------------|---------------|
| १.१ विषय परिचय | १ |
| १.२ समस्या कथन | १ |
| १.३ शोधकार्यको उद्देश्य | २ |
| १.४ पूर्वकार्यको समीक्षा | २ |
| १.५ शोधकार्यको औचित्य | ४ |
| १.६ शोधकार्यको सीमाङ्कन | ४ |
| १.७ शोधविधि | ४ |
| १.७.१ सामग्री सङ्कलन विधि | ४ |
| १.७.२ सामग्री विश्लेषण विधि | ४ |
| १.८ शोधपत्रको रूपरेखा | ५ |

दोस्रो परिच्छेद

बर्दिया जिल्लाको परिचय

| | |
|--------------------------------|----|
| २.१ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि | ६ |
| २.२ नामकरण | ८ |
| २.३ भौगोलिक प्राकृतिक परिचय | ९ |
| २.३.१ हावापानी | १० |
| २.३.२ नदीनाला र तालहरू | १० |
| २.३.३ कृषि र सिँचाइ | ११ |
| २.३.४ पशुपक्षी | ११ |
| २.४ विद्युत्, सञ्चार र यातायात | १२ |

| | |
|-------------------------------|----|
| २.५ सामाजिक सांस्कृतिक परिचय | १२ |
| २.६ धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थल | १३ |
| २.७ शैक्षिक अवस्था | १३ |

परिच्छेद तिन

लोककथा विश्लेषणका सैद्धान्तिक आधार

| | |
|---|----|
| ३.१ परिचय | १६ |
| ३.२ लोककथाका तत्त्वहरू लोककथा विश्लेषणका आधारका रूपमा | १८ |
| ३.२.१ कथावस्तु | १९ |
| ३.२.२. पात्र | २० |
| ३.२.३ कथोपकथन | २१ |
| ३.२.४ उद्देश्य | २१ |
| ३.३.५ परिवेश | २२ |
| ३.२.६ भाषाशैली | २३ |
| ३.१.७ लोकतत्त्व | २४ |

परिच्छेद चार

बर्दिया जिल्लामा प्रचलित लोककथाको सङ्कलन

| | |
|---------------------------------------|----|
| १. परिचय | २५ |
| २. मूलपाठ | २५ |
| २.१ बैकिनीको बुद्धि | २५ |
| २.२ कुविचारको परिणाम | २८ |
| २.३ एक राजाका तिन बुद्धिमान छोराहरू | २९ |
| २.४ लोग्नेलाई सुधाने श्रीमतीको जुत्ती | ३२ |
| २.५ पापिनी सर्किनी | ३३ |
| २.६ भलाद्मी र फटाहा | ३४ |
| २.७ सुनकेसरी रानीको कथा | ३६ |
| २.८ सात भाइको एउटै घरमा विवाह | ३८ |

| | |
|--|----|
| २.९ लाटो कोसेरा र हात्तीको मित्रता | ४१ |
| २.१० दाउरे र उसको बन्चरो | ४३ |
| २.११ फर्सीको कथा | ४४ |
| २.१२ साथित्वको भावना | ४६ |
| २.१३ राजा अरमदेव र मन्त्री बलदेवको कथा | ४८ |
| २.१४ अकबर र वीरबलको कथा | ४९ |
| २.१५ कुकुरलाई मासु पैँचो | ५० |
| २.१६ इमानदार र बेइमानको कथा | ५२ |
| २.१७ लिखेटुहुरीको कथा | ५४ |
| २.१८ बालकको कथा | ५५ |
| २.१९ गोठालाको साथी गाई | ५६ |
| २.२० कैलोनरको कथा | ५७ |

परिच्छेद पाँच

सङ्कलित लोककथाहरूको विश्लेषण

| | |
|--|----|
| ५.१ पृष्ठभूमि | ५८ |
| ५.२ विश्लेषण | ५८ |
| ५.२.१ 'बैकिनीको बुद्धि' कथाको विश्लेषण | ५८ |
| ५.२.१.१ कथावस्तु | ५८ |
| ५.२.१.२ पात्र | ५८ |
| ५.२.१.३ कथोपकथन | ५९ |
| ५.२.१.४ उद्देश्य | ५९ |
| ५.२.१.५ परिवेश | ५९ |
| ५.२.१.६ भाषाशैली | ५९ |
| ५.२.१.७ लोकतत्त्व | ६० |
| ५.२.२ 'कुविचारकोपरिणाम' कथाको विश्लेषण | ६० |
| ५.२.२.१ कथावस्तु | ६० |

| | |
|---|----|
| ५.२.२.२ पात्र | ६० |
| ५.२.२.३ कथोपकथनः | ६१ |
| ५.२.२.४ उद्देश्य | ६१ |
| ५.२.२.५ परिवेश | ६१ |
| ५.२.२.६ भाषाशैली | ६१ |
| ५.२.३.७ लोकतत्त्व | ६१ |
| ५.२.३ 'एक राजाका तिन बुद्धिमान छोराहरू' कथाको विश्लेषण | ६२ |
| ५.२.३.१ कथावस्तु | ६२ |
| ५.२.३.२ पात्र | ६२ |
| ५.२.३.३ कथोपकथन | ६२ |
| ५.२.३.४ उद्देश्य | ६३ |
| ५.२.३.५ परिवेश | ६३ |
| ५.२.३.६ भाषाशैली | ६३ |
| ५.२.३.७ लोकतत्त्वः | ६३ |
| ५.२.४ 'लोगनेलाई सुधाने श्रीमतीको जुत्ती' कथाको विश्लेषण | ६३ |
| ५.२.४.१ कथावस्तु | ६३ |
| ५.२.४.२ पात्र | ६४ |
| ५.२.४.३ उद्देश्य | ६४ |
| ५.२.४.४ परिवेश | ६४ |
| ५.२.४.५ भाषाशैली | ६४ |
| ५.२.४.७ लोकतत्त्व | ६५ |
| ५.२.५ 'पापिनी सर्किनी' कथाको विश्लेषण | ६५ |
| ५.२.५.१ कथावस्तु | ६५ |
| ५.२.५.२ पात्र | ६५ |
| ५.२.५.३ उद्देश्य | ६६ |
| ५.२.५.४ परिवेश | ६६ |

| | |
|--|----|
| ५.२.५.५.भाषाशैली | ६६ |
| ५.२.५.६.लोकतत्त्व | ६६ |
| ५.२.६ 'भलादमी र फटाह' कथाको विश्लेषण | ६६ |
| ५.२.६.१ कथावस्तु | ६६ |
| ५.२.६.२ पात्र | ६७ |
| ५.२.६.३ कथोपकथन | ६७ |
| ५.२.७.४.उद्देश्य | ६८ |
| ५.२.६.५ परिवेश | ६८ |
| ५.२.६.६ भाषाशैली | ६८ |
| ५.२.६.७ लोकतत्त्व | ६८ |
| ५.२.७ 'सुनकेसरी रानी' कथाको विश्लेषण | ६८ |
| ५.२.७.१ कथावस्तु | ६८ |
| ५.२.७.२ पात्र | ६९ |
| ५.२.७.२ कथोपकथन | ६९ |
| ५.२.७.४ उद्देश्य | ६९ |
| ५.२.७.५ परिवेश | ६९ |
| ५.२.७.६ भाषाशैली | ७० |
| ५.२.७.७ लोकतत्त्व | ७० |
| ५.२.८ 'सात भाइका एउटै घरमा विवाह' कथाको विश्लेषण | ७० |
| ५.२.८.१ कथावस्तु: | ७० |
| ५.२.८.२ पात्र | ७१ |
| ५.२.८.३ कथोपकथन | ७१ |
| ५.२.८.४ उद्देश्य | ७१ |
| ५.२.८.५ परिवेश | ७१ |
| ५.२.८.६ भाषाशैली | ७२ |
| ५.२.८.७ लोकतत्त्व | ७२ |

| | |
|---|----|
| ५.२.९ 'लाटोकोसेरा र हात्तीको मित्रता कथा' को विश्लेषण | ७२ |
| ५.२.९.१ कथावस्तु | ७२ |
| ५.२.९.२ पात्र | ७२ |
| ५.२.९.३ उद्देश्य | ७३ |
| ५.२.९.४ परिवेश | ७३ |
| ५.२.९.५ भाषाशैली | ७३ |
| ५.२.९.६ लोकतत्त्व | ७३ |
| ५.२.१० 'दाउरे र उसको बन्चरो' कथाको विश्लेषण | ७३ |
| ५.२.१०.१ कथावस्तु : | ७३ |
| ५.२.१०.२ पात्र | ७४ |
| ५.२.१०.३ कथोपकथन | ७४ |
| ५.२.१०.४ उद्देश्य | ७५ |
| ५.२.१०.५ परिवेश | ७५ |
| ५.२.१०.६ भाषाशैली | ७५ |
| ५.२.१०.७ लोकतत्त्व | ७५ |
| ५.२.११ 'फर्सीको कथा' कथाको विश्लेषण | ७५ |
| ५.२.११.१ कथावस्तु | ७५ |
| ५.२.११.२ पात्र | ७६ |
| ५.२.११.३ उद्देश्य | ७६ |
| ५.२.११.४ परिवेश | ७६ |
| ५.२.११.५ भाषाशैली | ७६ |
| ५.२.११.६ लोकतत्त्व | ७६ |
| ५.२.१२ 'साथीत्वको भावना' कथाको विश्लेषण | ७६ |
| ५.२.१२.१ कथावस्तु | ७६ |
| ५.२.१२.२ पात्र | ७७ |
| ५.२.१२.३ कथोपकथन | ७७ |

| | |
|---|----|
| ५.२.१२.४ उद्देश्य | ७८ |
| ५.२.१२.५ परिवेश | ७८ |
| ५.२.१२.६ भाषाशैली | ७८ |
| ५.२.१२.७ लोकतत्त्व | ७८ |
| ५.२.१३ 'राजा अमरदेव र मन्त्री बलदेव' कथाको विश्लेषण | ७८ |
| ५.२.१३.१ कथावस्तु | ७८ |
| ५.२.१३.२ पात्र | ७९ |
| ५.२.१३.३ कथोपकथन | ७९ |
| ५.२.१३.४ उद्देश्य | ८० |
| ५.२.१३.५ परिवेश | ८० |
| ५.२.१३.६ भाषाशैली | ८० |
| ५.२.१३.७ लोकतत्त्व | |
| ५.२.१४ 'अकबर र वीरबल' कथाको विश्लेषण | ८० |
| ५.२.१४.१ कथावस्तु | ८० |
| ५.२.१४.२ पात्र | ८१ |
| ५.२.१४.३ कथोपकथन | ८१ |
| ५.२.१४.४ उद्देश्य | ८१ |
| ५.२.१४.५ परिवेश | ८१ |
| ५.२.१४.६ भाषाशैली | ८१ |
| ५.२.१४.७ लोकतत्त्व | ८२ |
| ५.२.१५ 'कुकुरलाई मासु पैचो' कथाको विश्लेषण | ८२ |
| ५.२.१५.१ कथावस्तु | ८२ |
| ५.२.१५.२ पात्र | ८२ |
| ५.२.१५.३ उद्देश्य | ८२ |
| ५.२.१५.४ परिवेश | ८२ |
| ५.२.१५.५ भाषाशैली | ८३ |

| | |
|---|----|
| ५.२.१५.६ लोकतत्त्व | ८३ |
| ५.२.१६ 'इमानदार र बेइमान' कथाको विश्लेषण | ८३ |
| ५.२.१६.१ कथावस्तु | ८३ |
| ५.२.१६.२ पात्र | ८३ |
| ५.२.१६.३ उद्देश्य | ८४ |
| ५.२.१६.४ परिवेश | ८४ |
| ५.२.१६.५ भाषाशैली | ८४ |
| ५.२.१६.६ लोकतत्त्व | ८४ |
| ५.२.१७ 'लिखेटुहुरीको कथा' को विश्लेषण | ८४ |
| ५.२.१७.१ कथावस्तु | ८४ |
| ५.२.१७.२ पात्र | ८५ |
| ५.२.१७.३ उद्देश्य | ८५ |
| ५.२.१७.४ परिवेश | ८५ |
| ५.२.१७.५ भाषाशैली | ८६ |
| ५.२.१७.६ लोकतत्त्व | ८६ |
| ५.२.१८ 'बालकको कथा' कथाको विश्लेषण | ८६ |
| ५.२.१८.१ कथावस्तु | ८६ |
| ५.२.१८.२ पात्र | ८६ |
| ५.२.१८.३ कथोपकथन | ८७ |
| ५.२.१८.४ उद्देश्य | ८७ |
| ५.२.१८.५ परिवेश | ८७ |
| ५.२.१८.६ भाषाशैली | ८७ |
| ५.२.१८.७ लोकतत्त्व | ८८ |
| ५.२.१९ 'गोठालाको साथी गाई' कथाको विश्लेषण | ८८ |
| ५.२.१९.१ कथावस्तु | ८८ |
| ५.२.१९.२ पात्र | ८८ |

| | |
|-----------------------------------|----|
| ५.२.१९.३ उद्देश्य | ८८ |
| ५.२.१९.४ परिवेश | ८९ |
| ५.२.१९.५ भाषाशैली | ८९ |
| ५.२.१९.६ लोकतत्त्व | ८९ |
| ५.२.२० 'कैलोनरको कथा' को विश्लेषण | ८९ |
| ५.२.२०.१ कथावस्तु | ८९ |
| ५.२.२०.३ पात्र | ८९ |
| ५.२.२०.३ उद्देश्य | ९० |
| ५.२.२०.४ परिवेश | ९० |
| ५.२.२०.५ भाषाशैली | ९० |
| ५.२.२०.६ लोकतत्त्व | ९० |
| ५.२.२०.७ सम्पूर्ण कथाका निष्कर्ष | ९० |
| ५.३ निष्कर्ष | ९१ |
| छैटौँ परिच्छेद | |
| उपसंहार | |
| ६.१ सारांश | ९२ |
| ६.२ निष्कर्ष | ९२ |
| ६.३ भावी अनुसन्धानका निम्ति सुझाव | ९३ |

सङ्क्षेपीकृत रूप

| | | |
|-------------------|---|---|
| क्र. स. | – | क्रम सङ्ख्या |
| गा. वि. स. | – | गाउँ विकास समिति |
| प्र. स. | – | प्रथम संस्करण |
| तृ. सं. | – | तृतीय संस्करण |
| दो. सं. | – | दोस्रो संस्करण |
| ने. रा. प्र. प्र. | – | नेपाल राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान |
| पा. वि. के. | – | पाठ्यक्रम विकास केन्द्र |
| वि. पु. भ. भो. | – | विद्यार्थी पुस्तक भण्डार, भोटाहिटी |
| सा. प्र. छा. | – | साभा प्रकाशनको छापाखाना |
| म. सा. प. | – | मध्य पश्चिमाञ्चल साहित्य परिषद् |
| अ. इ. प. बा. | – | अक्सफोर्ड इन्टरनेसनल पब्लिकेसन, बागबजार |